



VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Manoj Kumar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1228024
Center	Online	Date	09-08-22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI** इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION - A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

किसी अन्य व्यक्ति या प्राणी के हित में बिना किसी स्वार्थ, दवाब या पुरस्कार की इच्छा के ~~किसी~~ किया गया कार्य / सहायता परोपकार है। उदा. कोविड. आपदा के दौरान प्रवासी श्रमिकों हेतु भोजन की व्यवस्था करना

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है एवं समाज के सदस्य होते के माते हमारा दायित्व बनता है कि आवश्यकता पड़ने पर हम अन्यो की सहायता करें।

परोपकार की सार्वजनिक जीवन में महत्ता -

- ① यह सामुदायिकता की भावना विकसित करता है एवं समावेशी विकास का कारक बनता है।

- ② दया, करुणा, परानुभूति जैसे मूल्यों को

हिमालयक रूप प्रदान करना है।

- (3) यह व्यक्ति के आचरण से नैतिक आधार प्रदान करता है। बिना किसी बाहरी प्रभाव के कारण परोपकार की भावना व्यक्ति के व्यवहार एवं मूल्यों में एक रूप लेती है।
- (4) समाज के बच्चों, पीड़ितों एवं निर्बलों के उत्थान का सम्भवकारी माध्यम है। संघर्ष की सम्भावना को कम करता है।

लोक सेवा में परोपकारी व्यवहार को बढ़ाने के उपाय

- ① परोपकार की भावना को धार्मिक विचारों से जोड़ना (वेद, कुरान इत्यादि के उद्धरण द्वारा)
- ② फील्ड प्रशिक्षण द्वारा लोगों के प्रति संवेदना की उत्पत्ति
- ③ शेक मांडल का निर्माण किया जाए।
- (4) लोक सेवा इलों का सुदृढीकरण हेतु प्रयत्न एवं दण्ड की व्यवस्था

इन उपायों द्वारा लोक सेवाओं में परोपकारी ब्रह्म विष्णु की जा सकती है।

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

कई कर्तव्यवादी नैतिकता के अनुसार

कार्यों की उचितता / अनुचितता का निर्धारण
उनमें निहित कर्तव्य के आधार पर होता है न
कि परिणाम के आधार पर। उदाहरणार्थ -
चिकित्सक द्वारा शल्य चिकित्सा के विफल
होने पर रोगी की मृत्यु।

कर्तव्यवादी नैतिकता के प्रारण्ड

- ① कर्तव्यपरायणता के आदेश से संचालित
होते हैं। जिसका नैतिक आधार होता है।
उदाहरण हेतु सजग नागरिक द्वारा मूल
कर्तव्यों का पालन करना।

② यह मैट्रिक शूलों की रखा का माध्यम है।
सत्यनिष्ठता, ईमानदारी जैसे मूल्यों को भजना
करता है। उदा. परीक्षा में तब तक रुकना।

③ यह माधनों की नैतिकता पर बल देता है।
जिससे येन केन प्रकपेण सफलता के विचार
को छोड़ा जा सकता है। उदा. गांधी जी द्वारा
पौरा चोरी काष्ठ उपरान्त महामेघ भा-दोलन
की वापसी।

क) करियों का निर्धारण सांस्कृतिक चिन्तन एवं
सहमति के आधार पर होता है, भला यह जाना-
जिह व्यवस्था में अनुरूपता का ध्यान रखा है।
उदा. स्वधर्म का पालन करना।

इस प्रकार व्यक्ति को केवल सफलता
एवं परिणाम उन्मुख कार्य करने के बजाय वह
कार्य करना चाहिए जो उससे अपेक्षित है।

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

नैतिक चुनौती यह वशा है जहाँ कार्य संचालन के दौरान नैतिक मूल्यों की रक्षा एवं उनका पालन करना कठिन हो जाता है।

पुलिसिंग में शामिल नैतिक चुनौती

① साक्ष्य - ताल्लू की रक्षा को स्थापित करना (उदा. फेड एनकाउन्टर द्वारा बलात्कारी की हत्या करना)

② आम जन में श्रय की स्थिति एवं प्रशासन से दूरी होना (पुलिस द्वारा FIR न लिखना एवं ठेकेदारों से पुलिस की हत्या बमूह)

③ कर्तव्य के बजाय व्यक्तिगत आचरण

करना एवं स्वार्थपरायणता (उदा. पुलिस व राजनीतिक गठबंधन)

(4) आज्ञापालन का अपराध - कार्य अनैतिक होते हुए भी इच्छाधिकारियों के आदेश का पालन करना (जिसान आन्जेलन)

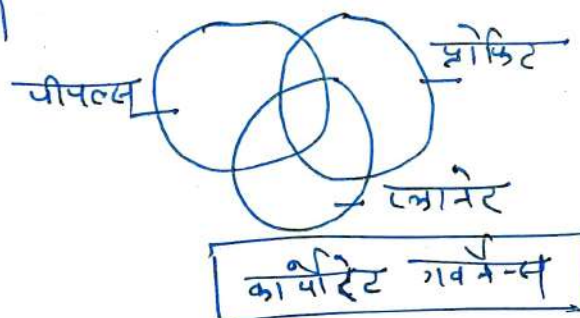
पुलिस बल में व्याप्त हस्ताचार के कारण :-

- ① उचित निगरानी व्यवस्था का अभाव एवं शिक्षण प्रणाली का अधतन न होना।
 - ② जनता द्वारा दिये गए को सार्व सार्व के रूप में स्वीकृति देना। (स्वीड मनी)
 - ③ नैतिक प्रशिक्षण की कमी एवं जनता से भावनात्मक दूरी का होना।
 - ④ खराब अवलोकनात्मक व्यवस्था, निम्न वेतन एवं स्थानान्तरण/पदोन्नति में वस्तुनिष्ठता का न पालना पालना।
- इस प्रकार पुलिसिंग व्यवस्था में इस्तेमाल हुआ है 'स्मार्ट पुलिसिंग' विकसित करने की आवश्यकता है।

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस किसी कम्पनी/ फर्म के संचालन का वह नैतिक माध्यम है, जिसमें कम्पनी के प्रबंधन हितधारकों की अपेक्षा, नैतिक नियमों, कानूनी प्रावधानों की पालना करते हैं।



कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संरचना का महत्व

- ① प्रोफिटिंग व्यवस्था में स्वतंत्र निवेशकों के स्थान प्रदान कर बेखांकन की वस्तुनिष्ठता
- ② संगठनात्मक संस्कृति का सुलक्षण एवं नैतिकता पर आधारित होना।

- (3) निर्णय निर्माण राष्ट्रपीय न होकर द्विधाराओं के मत को समाविष्ट करना
- (4) फीडबैक द्वारा कार्पोरेट शासन में बुद्धि लाने की व्यवस्था होना।

भावना का महत्व

- ① लाभ केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्य-माध्य व्यापक की भावना होना। उपा. ताटा इंक होस्तीरक
- ② ग्राहकों को 'वस्तु' न मानकर 'साथी' मानना
- ③ कार्पोरेट ईतिकस के प्रति 'बुद्धि' की भावना द्वारा बेहतर अनुपादन करना।
- ④ कम्पनी द्वारा सकारात्मक योग्यता

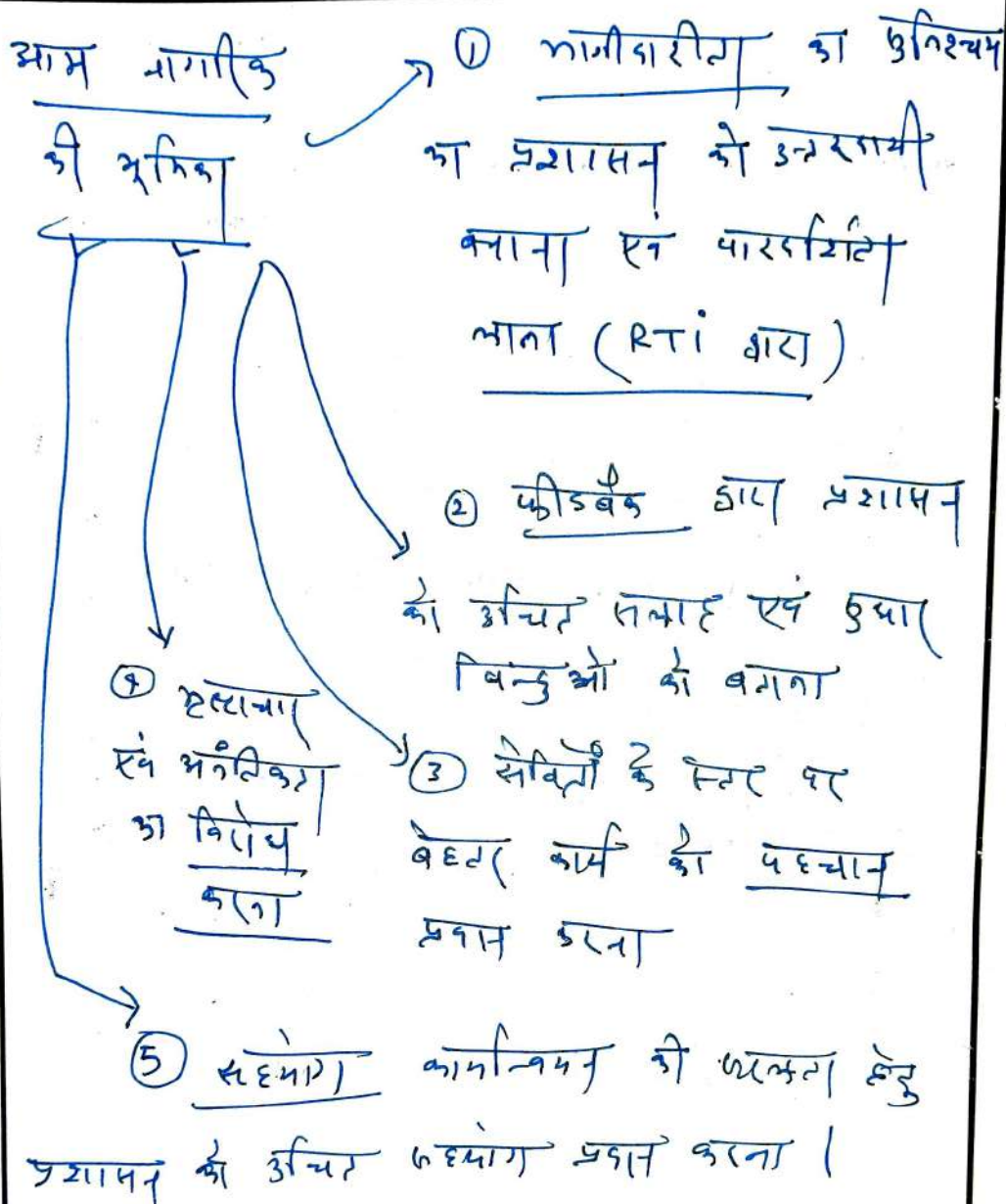
इस प्रकार भावना एवं संवेचना का उचित संयोजन कार्पोरेट शासन को अधिक प्रभावी बनाता है।

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन में नैतिक आचरण से नागरिक
लोक सेवा के श्रे्यों सत्यानिष्ठता, वस्तुनिष्ठता,
निष्पक्षता, संवेदनता के साथ-साथ आचार्यीय नैतिक
का पालन करना है।
मानकों के संस्थाकरण में लोक सेवक की
भूमिका :-

- ① आचार एवं आचरण संवर्धन का पालन करना
- ② सफुचित कार्य संस्कृति के निर्माण एवं पालन में सहयोग करना।
- ③ वर्तव्यपालन एवं हंगामन के अपराधों को मजबूत करना
- ④ लोक सेवा के प्रति कर्तव्य



वस्तुतः बोर्ड लेक्टिव एवं जवरा एक जगह
लेज के भी भाग हैं। लोगों में बेहतर गवर्नन्स
द्वारा ही स्मार्ट एवं फीडबैक आधारित प्रशासन
की स्थापना लक्ष्य है।

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

धन ही सरकार द्वारा योजना चालन में
सहयोग, समन्वय व सहभागिता हेतु जी.एम.
गति शक्ति योजना शुरू की गई है।

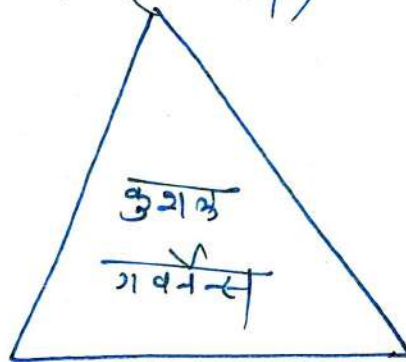
वही 'एकाकी कार्य' संस्कृति वह संघर्षपूर्ण
रूप है जिसमें अन्तर्विभागीय सम्यक् काम होगा
है, फलतः साक्षी रणनीति का निर्माण नहीं
हो पाया है।

उदाहरण हेतु - पारंपरिक भाषा विद्यार्थी हेतु
विद्युत विभाग, जल विभाग, टेलीफोन विभाग
एवं सड़क निर्माण विभाग द्वारा धार-वार
संयुक्त कार्य को वांछित करना।

बेहतर दीर्घकालिक सहयोग कार्यक्रम
होना इस अनिवार्य है। एवं संसाधन
उत्प्रेरण से बचा संभव था।

कुशल गवर्नेंस 'मूनरम लडाए एवं
अधिकतम शासन' के लक्ष्य के फ्रेमवर्क में है

प्रशासन के द्वारा विभागों को सहयोग प्रदान
करता (सातप, ज्ञान, अनुभव, रूपायन) एवं इनके
के रूप में कार्य करता (सहयोग)



सहभागिता

- जनसहभागिता द्वारा
- बेहतर कोड ऑफ प्रैक्टिस एवं
- अनुपासन में सहयोग
- विभागों की अंतर्मुखता
- उदा. पंचायतों द्वारा लक्ष्मी
- योजना (सुराज) अभियान

समन्वय

- बेहतर नीति निर्माण
- सामाजिक इंटरकोन
- अधिकारों से रक्षा
- कार्य एवं वास्तविकताओं
- की स्पष्टता एवं
- लक्ष्य का पूरक

इस प्रकार कुशल गवर्नेंस विभागों की
प्रतिष्ठा या अक्षमता को बेहतर नीतिगत उपाय करती है

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. (150 words) 10

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) स्वयं को तथा
अन्य के संवेगों को जानने, समझने, प्रबंधित
करने एवं विश्लेषण द्वारा तात्कालिक प्रतिक्रिया
 देने की क्षमता है।

- ① आत्म जागरूकता द्वारा स्वयं
के भावनाओं को समझना
(हिट स्थितीकरण)
- ② आत्म प्रबंधन - भावनाओं
के अज्ञान पूर्वक दुरु
अचलन नहीं (हिट संघर्ष
का समाधान)
- ③ आत्म विश्वास - परिणाम
हेतु सकारात्मक रहना
(कोई भी आपस के दौरान
कार्य संचालन)
- ④ संघर्ष समाधान
(दोनों में कुछ न जाना
एवं बेहतर समाधिक
सम्बंध)

① योजना क्रियान्वयन में जल्द का महत्वपूर्ण
चरण प्राप्त हुआ। (वैश्वीय इंजीनियरी का
हल)

हॉ का पुरूपयोग

① यह हेतुलेशन का माध्यम बन सकती है।
उदा. कम्पनी द्वारा अपने उत्पाद बेचने हेतु
हॉ का प्रयोग (विज्ञापन में पतंजीया अलाकार
का प्रयोग)

② यह आर्थिक कार्य करवाने में सक्षम (बैंकवासींग)
(धार्मिक आतंकवाद एवं साम्प्रदायिकता)

③ भाषणों का क्षेत्र प्रवेशन का कर्गों के
द्वारा विलुप्त कार्य सम्पादित हुआ। उदा.-
नेहा द्वारा धर्म-जाति आधारित चुनौत प्रचार

इस प्रकार हॉ का प्रयोग प्रयोगकर्ता के
समय पर निर्भर करता है बेहतर प्रशिक्षण,
द्वि-स्तर द्वारा प्रशासन में रचनात्मक, उच्च
संलग्न है।

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

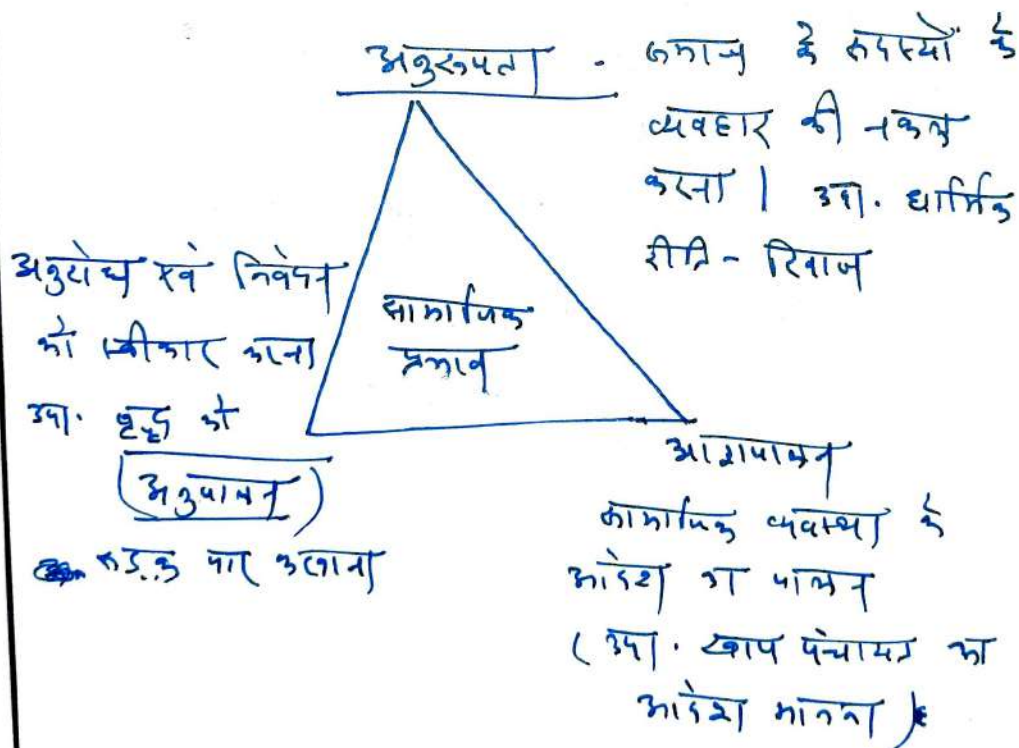
(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभासी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

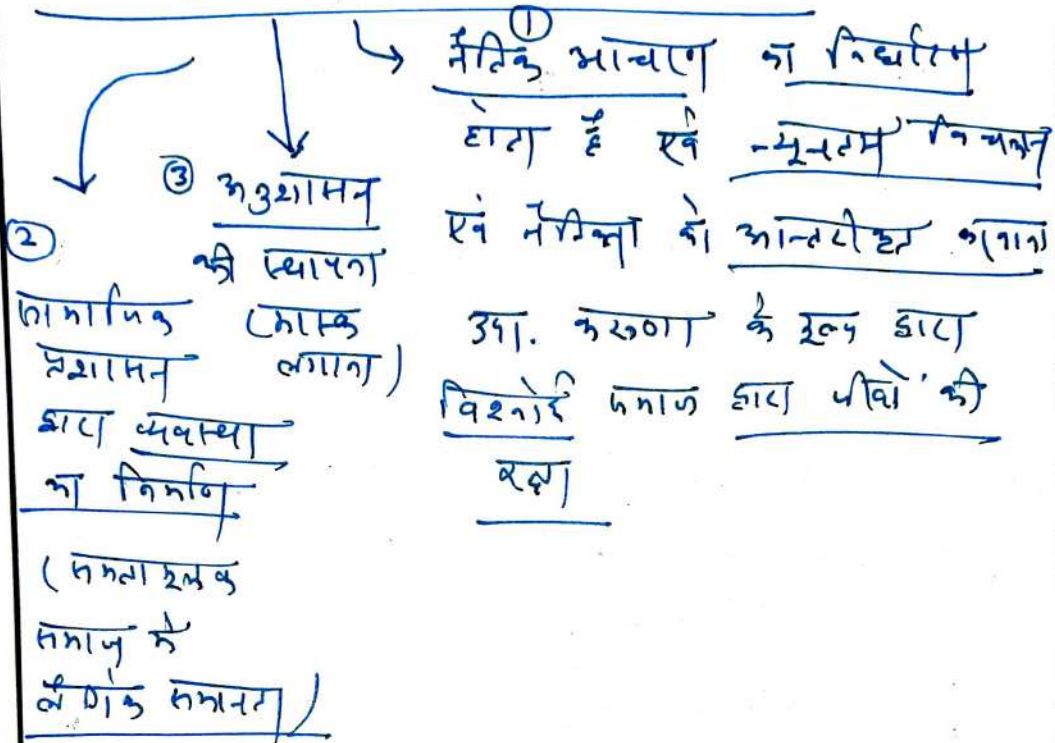
सामाजिक प्रभाव, समाज के नियमों

अपेक्षाओं एवं मूल्यों के आधार पर व्यक्ति के
व्यवहार पर पड़ने वाला अनिवार्य प्रभाव है।

उदा. बड़ों का आधार करना



सांताजिक प्रभाव 'भच्छे' रूप में



'दुरे' प्रभाव के रूप में

① श्रमक शक्ति के वास्तविक द्वारा ऊर्ध्व आचरण
करना (सही प्रथा, प्रतिवाद)

② सांताजिक प्रभाव में उचित नहीं होते हैं।
(दोषीन केजीरेंसी)

③ व्यक्तिगत अधिकारों का रक्षण

'अशुभा' के रूप में

① शैक्षणिक प्रभाव द्वारा ऊर्ध्व आचरण, अशुभाचार

② प्रतिभाषी विचारों को अपनाना (बाल-विवाह आदि)

इस प्रकार सांताजिक प्रभाव प्रयोग नहीं है
उद्देश्य एवं लक्ष्य पर निर्भर करता है

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण हेतु

उत्तम मार्गों, स्मार्ट कार्यप्रणाली के साथ जन सहभागिता की अपेक्षा होती है।

→ (A) यह प्रक्रिया के स्थान पर लक्ष्य को पहचान करना है।
जन-केंद्रित दृष्टिकोण -

→ (B) जन सहभागिता द्वारा उत्तरदायित्व का सृजन एवं अनिवारिता की जांच लेना

→ (C) अधिकतर प्रक्रियाएं दृष्टिकोण द्वारा प्रदान की जा सकने वाली एवं प्रशिक्षण

समन्वय

→ नांग-आयुर्वि का द्वारा प्राप्त होता है।

→ जगह एवं प्रशासन के मध्य

विकास की स्थापना

प्रायोगिकी की श्रमिका

- ① बेहतर निगलानी संग्रह है - डेक करना,
स्टेपस पता करना (ड्रांग रेप्स)
- ② बुद्धिमानों की आत्मार्थन मिलनी > -युक्तम
तात्वीय दृष्टिकोण > मूल्य-चाह का -युतीकरण
(इत्यक्ष लाभ अन्वय)
- ③ पैपरवर्क को कम करने आनीयगामी को लीज
करना (e- रैनेफेन्ट ओफ टैक्स)
- ④ फीडबैक ग्राफि बरा हुआ

इस प्रकार जस महामागिगु, समन्वय एवं
प्रायोगिकी द्वारा सिलीजु नारि की प्रवर्धना
का बेहतर अभिव्यक्त संग्रह है

इसके लिए (जेवोनम मॉडल) एक
प्रभावी उपकरण होगा।

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

आचार्य कौटिल्य प्राचीन भारत में प्रौद्योगिकीय बुद्धिमान, अर्थशास्त्री एवं प्रशासनिक अधिकारी थे। इनके 'अर्थशास्त्र' पुस्तक में वर्णित शिक्षा वर्तमान में प्रशासकों हेतु महत्वपूर्ण हैं। जैसे -

(1) कर संग्रहण एवं सभ्यता - संपादन राज लेना का आंधा है, अतः प्रशासकों का उद्देश्य यह तथ्य बेहतर कर संग्रहण पर होना चाहिए वहीं दूसरी तथ्य लेनाओं के इस्तेमाल एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर। डा. हैम्स

एलेनोरे
(2) शुचिता - लोक सेवा में इमानदारी एवं ईमान का धारण शून्य है, जो लोक सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। अतः आचार्य कौटिल्य का ध्यान करना

③ पारदर्शिता एवं दृष्टि स्पष्टीकरण - लोक सेवा
के कार्य लक्ष्य के दौरान कर्मियों के वचन
एवं निष्पक्ष भावना हेतु आवश्यक है। उपा.
जन द्वारा अपने अधिकार का बेस सुरक्षा

④ इतिहास पर बल - वर्तमान में लोक सेवा
की योजना क्रियान्वित हेतु आवश्यक प्रबंधन
का प्रयोग करना पड़ा है। 'साम' नीति का
प्रयोग 'वैधानिक दृष्टिकोण' का करते हेतु।

⑤ नेतृत्व - वह कार्य है जो संगठन के
अधिकार का निर्माण करता है। लोक सेवा
का उचित नेतृत्व प्रदान कर सेवा भावना
के रूप में कार्य करने चाहिए। उपा.
सामाजिक जीवन एवं नैतिक सेवा निर्माण

इस प्रकार अभिलेख के लोक सेवाओं
के अग्रगण्य हेतु निम्न एवं महत्वपूर्ण बिंदु
प्रदान की।

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela (150 words) 10

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।"
- नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन पर्यन्त
संघर्ष द्वारा अफ्रीका में रंग भेद की नीति का
बिरोध और समतावादी व्यवस्था की स्थापना की।
व्यक्ति की महत्ता एक सामाजिक प्राणी
स्वें प्रतिबद्धता मार्ग के रूप में लब्ध स्थापित होती
है जब वह अपनी शक्ति का प्रयोग में
समावेशित परिवर्तन करे। यह हमारे जीवन
और लक्ष्य प्राप्त करने हैं।

उद्धरण से सीखने के योग्य रूप -

① हृदय धि के प्रति समर्पण करना एवं
प्रति के उपर उठकर सोचना → परंपरा की
भाषा न आ. के साथ लक्ष्य की वचन बचाओ भाषा

② भागीदारिता केवल तत्त्व दर्शक बनने से
बजाय लोग अभ्यास हेतु सक्षम सहयोग
देना (कोविड आपदा में रोजगार स्थिति)

③ समस्या से बजाय तुलनात्मक पक्ष का हिसा
बना । नागरिक तलाज द्वारा विपिन
लोक अभ्यास के कार्य करता । मुक्तानु उपस्थिति
लापता बच्यो हेतु ।

④ करुणा, संवेदन, समानता के मूल्यों
की प्रामाणिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका
है ।

वस्तुतः व्यवस्थितिकी होने से बेहतर
है कि संरचनात्मक द्वारा व्यक्ति अपना पूरा
सहयोग द्वारा आक्रां को बेहतर बनाए । यह
लोक अभ्यास हेतु आवश्यक शर्त है ।

6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda.
(150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" -
स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद नव वेदान्तवादी होने के
नाते ज्ञान एवं कर्म दोनों को महत्व देते थे। स्वामी
जी का मानना था कि 'दरिद्र गरायण' गरीबों
की वशा में सुधार हो जाए तो अन्य समस्याएँ
स्वतः ही हल हो जाएगी।

उद्धारण द्वारा सीखने • योग्य मूल्य

- ① साधन एवं साध्य की एकता एवं ईश्वरता।
- ② व्यक्ति को अपने मूल कर्तव्य का पालन
करना चाहिए। उद्धारणार्थ अभ्यासी ई
रूप में रहना एवं अध्ययन करने पर ध्यान
देना चाहिए, सफलता उत्तम भावी पड़ाव
है।
- ③ कार्य-कारण संबंध होता है। प्रविष्ट

कभी एवं प्रयासों के अधीन हैं।

(4) समस्या के डेटा को पहचानना चाहिए न कि लक्षणों पर समय व्यर्थ करना चाहिए।
उदा. बेरोजगार व्यक्ति को औशल प्रदान कर रोजगार प्रदान करना हल है एवं उत्तम उपलब्ध कामान वांछना अथ कार्य।

(5) इस प्रकार जोड़ने से अपने वास्तविक स्थिति के कारण मूल मापदण्ड, मूल निष्कर्ष, मूल लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। यह सुझावन हेतु एक अनिवार्य शर्त है।

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr
(150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" -
मार्टिन लूथर किंग जूनियर

हिलो दुनो मत, हृदय रक्त, मुझे अपना पीने दो
अच्छ रहे साम्राज्य शांति का, पीयो और पीने दो

मार्टिन लूथर Jr. ने अश्वेत लोगों के अधिकार
हेतु संघर्ष किया। अश्वेतों का मुद्दा का यूरोप
एवं अमेरिकी श्वेतों हेतु कुछ गम्भीर न था बल्कि
यह सामान्य अवस्था थी।

शांति हेतु न्याय का महत्व

① सबसे लिए समतावादी समान की स्थापना,
निर्गोपचिह्नों की सम्पत्ति द्वारा वर्ग संघर्ष
की सम्पत्ति को खत्म करा।

समतावादी समान शांति का आधार
है।

② तब जहाँ प्रत्यक्ष प्रतियोगिता को दिखाना है
वही न्याय हेतु अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता द्वारा

विभिन्न मतानुसारों एवं मतभेदों का निवारण
करना चाहिए।

(3) व्यवस्थाओं का जोड़ न्यायपूर्ण करनी होगा चाहिए
न कि केवल एक निगाहनी करने वाले पुनर्निर्माण
स्टेज के रूप में।

भारत में जलविवाद, आर्थिक विषमता,
साम्प्रदायिक वैमनस्यता के ~~से~~ विभिन्न बिंदु
हैं। जिनको हल कर वास्तविक शान्ति की
स्थापना करना आवश्यक है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति
अपनी क्षमताओं का उपयोग एवं व्यक्तिगत विकास
कर सके।

शान्ति नहीं तब तक, जब तक कुछ भाग न नर
का सम होगा।
शान्ति न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।

SECTION - B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? (20)

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 एवं
295A बाल श्रम प्रतिषेध का प्रावधान करते

है जिसके तहत सरकार द्वारा बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम भी बनाया गया है, किंतु फिर भी भारत में 8 मिनिमम से अधिक बाल श्रमिण मौजूद हैं।

(2) कारक जो बच्चों को जबरन अपराध करने को प्रेरित करते हैं। -

(i) परिवार सम्बंधी कारक -

* अत्यधिक गरीबी एवं खराब आर्थिक

दशा के कारण अपराध का विकल्प चुना

* परिवार के भीतर अच्छा पावन पोषण

न होने से मैट्रिकल का आत्मसात न हो

पाना

* परिवार द्वारा बेउ पेरेंसिंग द्वारा बच्चे

को बुरे बच्चे के रूप में 'लेबल'

कर देना।

* परिवार में दोस्ती दिंसा को देखना

(ii) समाज एवं सहस्र सम्बंधी कारक

- (1) गलत संगत द्वारा नशाखोरी एवं अपराध शृंखला में पड़ना (स्लम गैंग-मुम्बई)
- (2) तस्करी किए बच्चों द्वारा जबरन अपराध करवाना
- (3) सापेक्षिक नंचरा भाव के कारण हीना खत्म करने हेतु प्रभाव

(iii) भौतिक कारण

- ① गेमिंग डिस्ऑर्डर जैसे भौतिक से ग्रस्त होना
- ② साखर अपराध कलंड्र प्रेमिंग भा शिकार) होना

(iv) विचित्र

कारन का व्यवहार से असंगत होना।
उदा. बाल श्रम प्रतिषेध (कंशोपन) अचि.
बाल श्रम का खतरनाक भावों में प्रवृत्ति।
रोक लगाता है। किंतु गरीबी में जीवनापन

करने वाले बच्चे हूँ यह जीवन का
प्रश्न है।

इन कारणों द्वारा बच्चों के अपराधीकरण
की गंभीर समस्या उत्पन्न होती है।

(B) मैट्रिक पर निर्णयन हूँ यह एक प्रश्नकार
होता है कि क्या कर्म ऐच्छिक है? कर्म
करने वाला व्यक्ति मैट्रिक के सम्बंध में
ज्ञान रखता है?

क्योंकि बच्चों से विद्युत जागरूकता
एवं विवेकपूर्ण कार्यवाही की आशा नहीं
की जा सकती, इन आलोचकों में उन्हें सुधार
का मौका देने के पीछे निम्नांकित तर्क है—

① यह उन्हें अच्छा नागरिक बनने का
अवसर देगा। याप का उद्देश्य उत्थार
करना है न कि बचाना देना।

- ① बाल अपराध में समाज एवं व्यवस्था भी भागीदार है, अतः इन कमी को पूरा करने का वापिल भी राज्य का है।
- ② वयस्क रूप में दण्डित करने से उनके जीवन अपराधी बनने की आशंका बढ़ जायेगी।
- ③ यह मैट्रिक न होने के बाद नाम नाम विधिसम्मत भी नहीं है।

किंतु वयस्क के रूप में दण्डित करने से कुछ लाभित आया भी है-

- ① यह अन्वेषण (बच्चों पर) करने वाले इष्टमख को रोकता है।
- ② (शोकन विंडो थोड़ी) गानी बड़े अपराध को रोकता है।
- ③ डिटेन्स का कार्य होगा।
- ④ वर्तमान इच्छा काचित है बच्चों की अपराध प्रवृत्ति को आयु सीमा से पते किया है।

वस्तुतः बच्चे हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। उनके बेहतर सामाजिक सम्बन्धन हेतु बाल-
कल्याण स्तर पर ही नैतिक प्रशिक्षण का कार्य प्राथमिकता
पाए।

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

- (a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.
- (b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:
 - (i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.
 - (ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.
 - (iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.
 - (iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.
- (c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

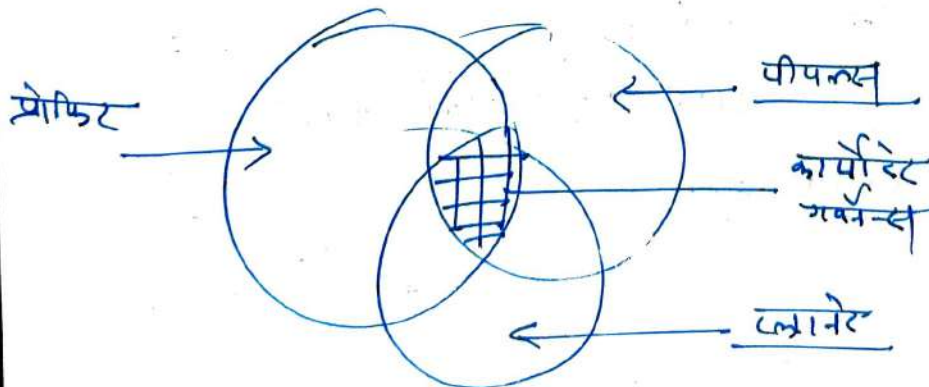
(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

- (a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:
- (i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।
 - (ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।
 - (iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।
 - (iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।
- (c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

कार्पोरेट गवर्नेन्स कम्पनी संचालन

का वह रूप है। जिसमें कम्पनी नियमों एवं
इतिहासों का पालन करते हुए, कम्पनी के सभी
हितधारकों (सदस्यों, कर्मचारियों, निवेशकों -) के
लाभ के अधिकतमीकरण का प्रयास किया जाता है।



- (b) प्रकरण में शामिल हिस्सेदार
- (i) निवेशक - जो पूंजी का जोखिम ले रहे हैं।
- (ii) कर्मचारी - जिनका रोजगार खर्च में है।
- (iii) कम्पनी - संगठनात्मक संरक्ति, कर्म आचरण
एवं आर्थिक भविष्य का प्रश्न
- (iv) सहप्रमाणपत्र एवं CDO के रूप में पैसे - जिसे
निर्णयित होता है।

मैट्रिक मुद्दे

- (1) कम्पनी का उद्देश्य निवेशकों को लाभ प्रदान
कर बाजार में पकड़ बनानी है, वहीं कम्पनी
के संचालन हेतु कर्मचारियों का निश्वास
भी आवश्यक है।
- (2) कम्पनी के नाम की प्रतिष्ठा बनाम व्यावहारिक
निर्णय होता है।
- (3) कर्मचारियों के रोजगार की रणनीति का
प्रश्न

(4) कम्पनी में भ्रष्टाचार एवं अनैपचारिक संचार का उद्घा

(5) निवेशकों का अधिकतम रुच है लाभ लेखापत्र के रूप में 'मेरी' निर्माण क्षेत्र की स्वतंत्रता

(B) विकल्पों की विवेचना

(विकल्प 1)

गुण - ① उच्च स्पर्शानुबन्धी लोगों के बीच कम्पनी के प्रति विश्वास में वृद्धि होगी

(2) कर्मचारियों पर स्पर्शानु का प्रभाव रहेगा

(3) निवेशकों की तलाह का क्रियान्वयन एवं निवेश प्राप्त होगा

दोष - (1) कर्मचारियों के रोजगार की स्थिति होना

(2) निवेशकों का कम्पनी में अधिक हस्तक्षेप

(3) कर्मचारियों की कम्पनी में निष्ठा एवं प्रतिबद्धता न होना

विकल्प (ii)

गुण - ① कम्पनी की लागत में कमी एवं लाभ की संभावना अधिक

② निवेशक खुश होंगे

③ कर्मचारियों को रोजगार प्राप्त होता रहेगा

दोष - ① दायें गर कर्मचारियों की संख्या का पुर्ण हल नहीं है।

② कम्पनी की प्रतिष्ठा खराब होगी

विकल्प (iii)

गुण - ① कम्पनी के 'विजन' की स्पष्टता एवं निवेशकों के प्रति उत्तिकृता का प्रकट होना

② निवेशक एवं लाभ की प्राप्ति संभव होगी

③ रिटर्न फिर गर कर्मचारी पूर्ण विद्यमान के काम करेंगे

दोष - यह पूर्णतः लाभ के नीचे इतिकोव नहीं। संश्लेषण के काम संभूति को उत्पन्न न होगा एवं मानकों के प्रतिष्ठित है।

निष्कर्ष (iv)

- प्रश्न - (1) स्थिति का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन एवं कम्पनी के हित में निर्णय → बाजार में कमी का भाव ↑
- (2) कम्पनी की दृष्टि में पुश्ता

दोष → कर्मचारियों में विश्वास सृजित करना मुश्किल होगा। हटाये गए कर्मचारी कम्पनी के विपक्ष अर्जेंट गवर्नेंस का प्रतीक

(c) क्योंकि कम्पनी को संचालन हेतु एवं बृद्धि हेतु निवेश चाहिए। यदि कम्पनी लाभार्जन को छोड़ती तो इसमें कम्पनी, निवेशक, कर्मचारी सभी का लाभ होगा। वहीं लागत बढ़ने से कम्पनी का अविषय ही संकट में पड़ जाएगा।

मेरे द्वारा 'कम्पनी' के कार्यबल की समीक्षा की जाएगी। यदि पाया जाता है कि कास्ट कटिंग हेतु कर्मचारी हटाए जा सकते हैं, तो उस मात्रा में कर्मचारी हटाए जाएंगे तथा हटाने के साथ उन्हें उनके उपयुक्त काराजिन्द - सुरक्षा लाभ एवं भत्ते उपलब्ध कराए जाएंगे। यह कम्पनी के वस्तुनिष्ठ प्रणाली निर्धारित करेगा।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. (20)

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

वंशीकरण के दौर में राज्यों से
अल्पसंख्यक सम्बंधों एवं व्यवहार में नैतिकता
एवं भारतीय दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती
है, किन्तु रियल-पॉलिटिक्स एवं जंगल कौशिक्य

प्रभावित, सीमा बंद करने का काम, निर्णय
न्याय संगत प्रतीत नहीं होगा है।

(2) शरणार्थियों के अधिकारों से सम्बंधित
नैतिक मुद्दे -

(1) जीवन, सम्पत्ति, स्वतंत्रता प्राकृतिक अधिकार
हैं, शरणार्थियों को अपने जीवन की रक्षा हेतु
शरण प्राप्त करना उचित है।

(2) शरणार्थियों व्यक्तियों को हीन दृष्टि से
देखना उचित है नहीं है।

(3) शरणार्थियों को भर्त्सना प्रक्रिया को अपमान
जनक है जो उन्हें अपराधी बनाता है।

(4) शरणार्थियों के अधिकारों के प्रति
विकसित देशों की बलव्यता निर्दोष है।

(5) शांति, सहभाव एवं सहिष्णुता के कारण
हिंसा एवं पराक्रम का रुझान

(6) UN जैसे संस्थानों की गतिविधियाँ

(7) मिलन संस्कृति में समायोजन का हुदा
एवं अनवांटेड होने का भाव

(B) भारत द्वारा लगातार शरणार्थी समस्या

का सामना किया जाता है। जिसमें संघर्ष
प्रभावित शरणार्थी, जलवायु शरणार्थी एवं
आर्थिक शरणार्थी शामिल हैं।

शरणार्थी समायोजन पर राष्ट्रीय नीति
में निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करवाने
का प्रयास करूंगा —:

- ① पहचान — शरणार्थी उद्गम क्षेत्रों की पहचान
शरणार्थी के वैधानिक पास क्षेत्र की पहचान
शरणार्थी लक्ष्य की पहचान, पंजीकरण
एवं इकिंग हेतु आई. डी. प्रदान
करना
→ पहचान आधारित दृष्टिकोण जांचना

② साक्ष्य जुटाना - शरणाग्रियों की संख्या
के आधार पर कार्य नीति का
निर्धारण

③ क्षमता एवं वास्तविक मांग के मध्य
संतुलन स्थापित करना

④ शरणार्थी समस्या समाधान हेतु अन्तर्राष्ट्रीय
सहयोग की तलाश करना :-

(A) उद्गम देश के साथ सम्पर्क स्थापित
कर वनाव की वशा को नियंत्रित करना
(उदा. आर्थिक शरणार्थी वशा में भारत द्वारा
चीन को 3 बिलियन का अनुदान)

(B) अन्तर्राष्ट्रीय मंच - UN, जैसे मंचों
का प्रयोग कर वैश्विक सहयोग द्वारा
समस्या का हल ढूँढना।

(८) राष्ट्रीय सहयोग नेटवर्क द्वारा परस्पर
वापिस की पुष्टि कर साझी कार्यवाही
प्रस्तुत करना

(९) Ngo नागरिक समाज - खामसा से
जैसे संस्थान का उपयोग कर शरणार्थी
तकल्याण का समाधान करना।

(१०) शरणार्थियों को पुनः घर वापिस हेतु
वशातः पुनर्वास :-

- अन्तराष्ट्रीय शांति हेतु प्रयास करना,
- घरेलू देश के साथ वार्ता वंत्र स्थापित
करना

• अनुसूचित जाति की आधारा
पर विश्वास रखने वाले भारत के अफेला
है कि यह अन्तराष्ट्रीय शांति, मानवता
एवं विश्व वैधुत्वात् आधारी कार्यवाही को।
यह भारत की सॉफ्ट-पावर में दृढ़ि करने वाली
एवं नीति होगी

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. (20)

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

भारत में गैर गिनत एवं जागरूकता
के अभाव के कारण लैंगिक पहचान को बदलनी
~~से देखने की हम क्षमता~~ न पुरुष/स्त्री में
देखा जाता है। वास्तव में आधुनिक पहचान
एवं चयन के अधिकार के अमुदा हत्येक व्यक्ति
की निजता के प्रति संवेदनशील होने की
आवश्यकता है।

(वि) प्रकरण में शामिल
नैतिक मुद्दे

→ 1. वाक्य अभिव्यक्ति
की स्वतंत्रता का हूदा

(2)
विरोध प्रदर्शन
का सार्वजनिक
अभिप्राय

प्रदर्शित की एवं पैनलिसट
होने को विचार प्रकट
करने की स्वतंत्रता

(3) बौद्धी इन्फेक्टि के तहत स्वतः पहचान
आ अभिचार

(4) बैंगिंड संवेदनशीलता आ मुद्दा । समाज
में हल्वेक वर्ग के संवेदनशील पक्षों की
जानकारी होनी चाहिए।

(5) समावेशी समाज के तहत बैंगिंड पहचान
के हाशियेकरण आ मुद्दा

(6) किसी सम्मेलन में विचार प्रकट करने
की अपेक्षा एवं अभिव्यक्ति पर मुक्ति
मुक्त निर्वचन का मुद्दा

(7) समाचार पत्रों की जलंत मुद्दों को
कवर करने में अहिंसा

(3) कुलपति के आदेशानुसार मैं सर्वप्रथम
मामले की गंभीर जांच करूंगा -

1* उक्त चिरोच प्रदर्शन में की गई की हिंसा
के साथ एवं साक्ष्य सम्बन्धित कर, हिंसक प्रदर्शन
कर्तव्यों की पहचान करूंगा

2* शान्तिपूर्ण चिरोच प्रदर्शन छात्रों का
मद्तिहार है अतः मैं उन्हें चिरोच प्रदर्शन
का स्थान उपलब्ध कराऊंगा एवं छात्र संगठन
से लगातार सम्पर्क में रहूंगा।

3* प्रदर्शन कर्तव्यों के मुद्दे का विस्तृत
विवरण एवं कारण प्राप्त करूंगा।

4* इसी कारणों की इच्छा मेरे द्वारा
पेनेन्सिलर को भी की जाएगी एवं मेरा
ह्वास रहेगा कि यदि 'विमर्श'
द्वारा शपथ सफाया हो सके।

(5) पूरे प्रकरण के दौरान यदि आतून की अवहेलना हुई है तो उस सम्बंध में पुलिस की सहायता ली जाएगी

(6) बेहतर निवारण हेतु मैं एक बैठक का आयोजन करूंगा जिसमें इसके निवारण पर चर्चा की जा सके। मेरा प्रयास होगा कि प्रत्येक पक्ष अपने पक्ष के अधिकारों के अधिकार की रक्षा करें।

(7) अक्षय में ऐसा न हो एक सम्बंध में लैंगिक संवेदनशीलता सम्बंधी जागरूकता का इच्छा इतिवर्तिनी तरह पर किया जाए।

वालटेयर ने कहा था हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत ना हूँ लेकिन मैं आपके बोलने के अधिकार की रक्षा करूंगा। इस प्रकरण का हमारी विचार-निष्ठा से निहित है।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में
खिलाड़ी डोपिंग दवाएं ले रहे हैं।
इससे भारत की प्रतिष्ठा पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

किसी भी प्रकार का अनैतिक आचरण राष्ट्रीय
अपमान का कारण बन सकता है। प्रस्तुत
प्रकरण में खेल मैनेजिंग, सहगुण प्रतिक्रिया
साधन - लाइव एडिंग का प्रश्न केन्द्र बना
गया है।

(B) प्रस्तुत प्रकरण राष्ट्रीय गौरव एवं अपमान
के मध्य निगम का है, उक्त सम्बंध में
मेरे समक्ष निम्न विकल्प उपलब्ध हैं -

(A) साथी खिलाड़ी एवं कोच की सलाह मान
कर चुप रहें एवं स्वयं भी टीडि का उपयोग
कर सफलता प्राप्त करें।

(B) प्रकरण के सम्बंध में चुप रहें एवं
स्वयं को इस भ्रष्ट आचरण से दूर रखकर
अपने खेल पर ध्यान दें।

(1) कोच एवं खिलाड़ियों की शिकायत सत्र में
शाचिकरण के समक्ष करें जिससे उनकी
परिभाषिता को खत्म किया जा सके।

(2) कोच एवं खिलाड़ियों को सम्मान में
प्रयास करें जिससे वे भर्त्सित भावों का
प्रयोग न करें।

प्रकरण के सम्बंध में भरे डाय सविस्तर
विवरण (3) का चयन किया जाएगा। जिसकी
कार्यवाही इस प्रकार होगी।

(1) मैं इस सम्बंध में नियमों एवं अपराध के
संग्रह को उनके समक्ष रखूंगा।

(2) मैं प्रस्ताव में ओपिंग के उद्घाटन एवं
उनके परिणाम प्रस्तुत कर (भयमुक्त अपील)
करा प्रत्यक्ष रूप में अतिरिक्त परिवर्तन का
प्रयास करूंगा।

(3) मैं उन्हें समझा करूंगा कि यह उनके

भविष्य तथा राष्ट्रीय धर्म हेतु विज्ञान धातक है।

(4) मैं प्रतियोगिता के परिणाम में असफलता के
गर्भे भय को खत्म कर भावनात्मक बुद्धिमत्ता
द्वारा प्रोत्साहन प्रदान करूँगा।

(5) मेरे साथ यह भी चेतना भी जा रही कि
यदि विज्ञानी दृष्टि से देखें तो मैं
व्यापक विकल्प (C) का प्रयोग किया जाएगा।

(6) विकल्प (A) की विफलता की वजह से मैं
विकल्प (C) का प्रयोग करूँगा एवं यथार्थ
ताकत प्रदान करने के लक्ष्य पर लक्ष्य
कराऊँगा।

(B) पिछले कुछ समय से खेलों में प्रतियोगिता
की घटना बढ़ी जा रही है। पिछले
विकल्पों का है-

① जनताकार प्रतियोगिता का होना। खेल भावना के
व्यापक लक्ष्यता पर बल देना।

रुम रुमे के उपाय

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

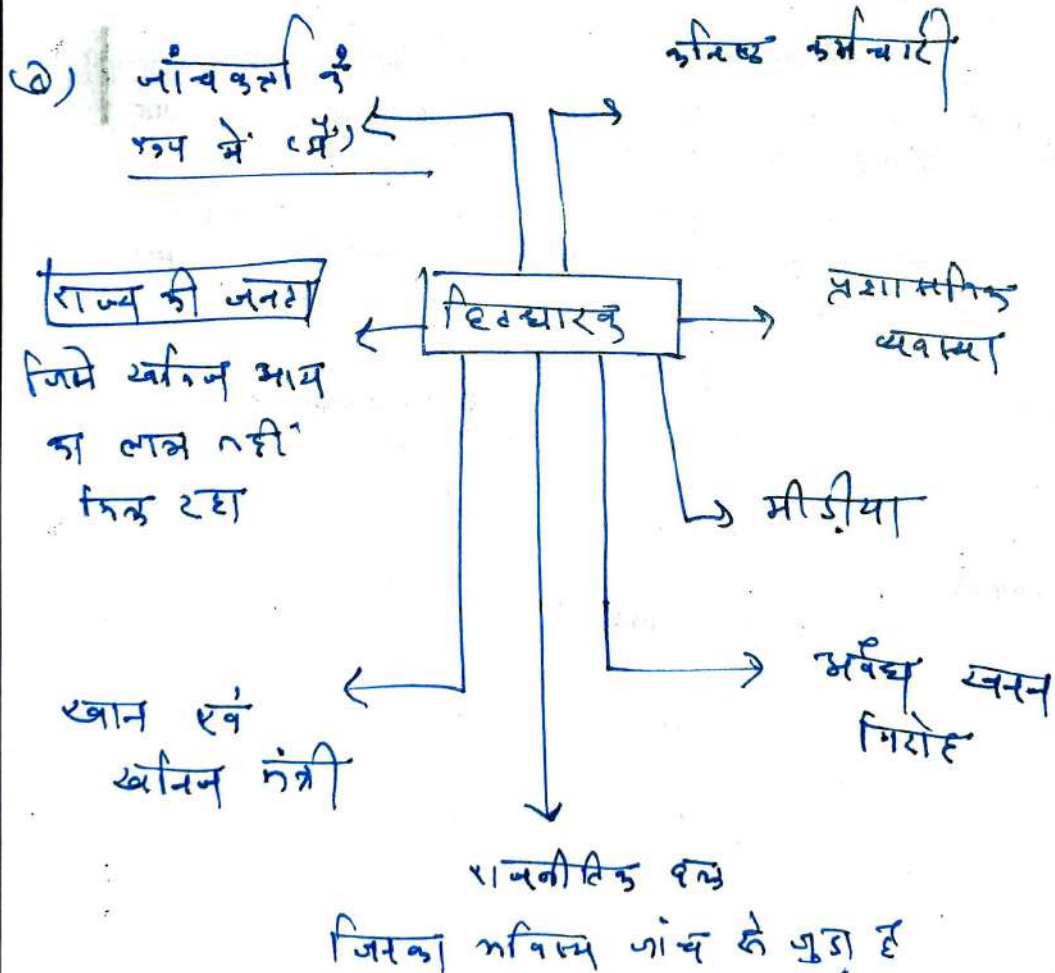
Answer the following with reference to this case:

- (a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.
- (b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. (20)

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

- (a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

भारत में राजनीति का अपराधीकरण एवं
नेता - अपराधी गठबन्धन बहुत तेज गति से बढ़ता
जा रहा है। इससे न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों
का पतन हो रहा है बल्कि प्रशासन भी धीरे
धीरे ~~बुरा~~ अपराधी के समान नजरान्तक होने
लगा है।



त्रैलोक्य मुद्दे

(1) राजनीति एवं अध्यात्म का गंभीर जोड़बिड़
द्वयों से प्रसिद्ध है।

(2) कठिण कर्मचारियों का फंसाता न केवल
नेहरू पर प्रभाव चित्त छोड़ रहा है बल्कि
सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता एवं सर्वोपरीता का
परिचायक है।

(3) प्रशासकों के नवित्व का राजनीतिक नेताओं
की पकड़ हरन चित्त छोड़ रही है वेहर
निष्ठापूर्ण रूपों का व्यवस्था की आवश्यकता है।

(4) प्रशासनिक जांचों की विश्वसनीयता का
उदा जहाँ प्रीति का प्रमाण आकाशित न होकर
निर्देश आकाशित हो।

(5) जिसे की पता का अध्यात्म के लक्ष्य के
अनभिज्ञता का होगा (क्योंकि रिपोर्ट के अभाव में

वर्तमान वल लोकप्रिय है।)

⑥ कैरियर बनाम हुलों के कारण फिर संघर्ष का सामा जाता |

② उपलब्ध विकल्प गुण दोष

① मंत्री के निर्देशानुसार अलग अर्चिचारियों पर आरोप लगाया जाए

⑧ बेहतर प्रशासन राजनीति सम्बंध

① गलत भावों की मुख्यकारण

⑨ जन वधाए नहीं

④ गैरदल समर्थन का न बिकाना

⑩ कैरियर डुरिस्ट

⑦ संगठन की कार्य प्रवृत्ति

पर नकारात्मक प्रभाव

④ हथिचार का बना रहना

मंत्री जी के निर्देश

को मानते हुए कुछ तर्क

② अर्चिचारियों पर अविश्वास करना एवं खनन

जिसे के विरुद्ध कार्य रकत्र करना

गुण - किसी प्रकार की धमि नहीं, उदात्तता की संभावना, खतरा भासिया हेतु हमेशा का आधार है।

नोट - ① कनिष्ठों के साथ हुए शोध का उपयोग नहीं हुआ है।

② राजनीति के अपराधिकरण को बढ़ावा

③ जांच को तत्त्वपरिक्रम करना

उप - पाठ्यक्रम एवं उपयुक्त कार्यवाही का सुनिश्चय होगा। कंगन की रक्षा। नंदन का प्रदर्शन

नोट - उचित कार्य का प्रयोग नहीं। जम्मू काश्मीर प्रभावी प्रशासन नहीं।

④ उपयुक्त कार्यवाही

मंत्री जी के निर्देश से प्रभावित हुए बिना वस्तुनिष्ठ मानक का प्रयोग करते जांच प्रक्रिया

प्रभावित की जाएगी। जांच के परिणाम सख्त प्रतिक्रिया के है कम से कम सुझाव लिए जाएंगे।

दोषी व्यक्तियों (जनसंख्या, मंत्री, कनिष्ठ यदि हैं) पर बड़े नकारात्मक पार।

हालांकि हमने इसे दृष्टिगत पर नकारात्मक प्रभाव पर नकारा है किंतु यह लोक सेवा के मूल्यों, मान्यता निराशा एवं अपेक्षित चनदा के अनुकूल है।